उत्तर प्रदेश की ‘अर्द्धचालक/सेमीकंडक्टर’ नीति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को **राज्य की** ‘सेमीकंडक्टर’ नीति तैयार करने का आदेश दिया।

- यह निर्णय तेज़ी से विकसित हो रही **प्रौद्योगिकी संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था** में अर्द्धचालकों की **महत्त्वपूर्ण भूमिका** को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मुख्य बिंदु:

- **वित्तीय वर्ष 2022 में वैश्विक अर्द्धचालक/सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र से 950 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का राजस्व प्राप्त** होने की उम्मीद है।
  - सेमीकंडक्टर चिप सेक्टर ने **पिछले दो वर्षों में 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश** की घोषणा की है।
- केंद्र सरकार द्वारा **अर्द्धचालक विनिर्माण सेवाओं, जैसे– सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब और कंपाउंड सेमीकंडक्टर के लिये प्रोत्साहन दी जा रही है।**
  - वर्ष 2021 में, भारत ने देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिये लगभग **10 बिलियन अमेरिकी डॉलर की** उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना (PLI) की घोषणा की।
  - सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले पारिस्थितिकी तंत्र के लिये, **निर्माण इकाइयाँ, मिक्स्ड सेमीकंडक्टर, आउटसोर्स सेमीकंडक्टर, असेंबली एंड टेस्ट यूनिट, पैकेजिंग यूनिट्स** एक बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करती हैं।
- **वैश्विक अर्द्धचालक निवेशकों को आकर्षित करने के लिये** उत्तर प्रदेश की नीति के तहत वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन के **वितरण का प्रावधान किया जाना चाहिये।**
- सेमीकंडक्टर/अर्द्धचालक
- अर्द्धचालक, **एक चालक और कुचालक** के बीच विद्युत चालकता में मध्यवर्ती क्रिस्टलीय ठोस पदार्थों का एक वर्ग होता है।
- अर्द्धचालकों का उपयोग **डायोड, ट्रांजिस्टर और एकीकृत सर्किट सहित विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक** उपकरणों के निर्माण में किया जाता है।
  - इस तरह के उपकरणों को उनकी **कॉम्पैक्टनेस, विश्वसनीयता, विद्युत दक्षता और कम लागत के कारण** व्यापक रूप से प्रयोग में लाया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-s-semiconductor-policy